Ans-2→ समकालीन भारतीय समाज में आधुनिकता ने बाहरी स्वरूपों को अधिक प्रभावित किया है, जैसे-

खान-पान → पिज्जा, बर्गर

पहनावा → जींस, टॉप

भाषा → Hinglish (English, Hindi)

नवीन यांत्रिक साधनों का प्रयोग।

परन्तु बौद्धिक आधुनिकता का अभाव रहा है, जैसे-

- जाति अन्त: विवाह की अधिकता और अन्तर्जातीय विवाह का विरोध
- खाप पंचायत द्वारा प्रतिष्ठा हत्या
- अंधविश्वास एवं रूढ़िवाद का बोल-बाला
- धार्मिक रूढ़िवाद और सांप्रदायिकता
- पितृसत्तात्मकता से जुड़े पक्षों की निरंतरता
- जातिवाद एवं जाति संघर्ष की विद्यमानता।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

निश्चित रूप से आधुनिकीकरण के परिणाम-स्वरूप समकालीन भारत में वैचारिक पक्षों में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है, इसलिए इसे वास्तविक आधुनिकता नहीं कहा जा सकता है।

इसके लिए कमजोर सामाजिक अवसंरचनाएँ और संस्कृति के अभौतिक पक्ष में परिवर्तन की धीमी गति मुख्य रूप से उत्तरदायी रहे हैं परंतु कालांतर में सामाजिक अवसंरचनाओं के विकास के साथ / आधुनिक शिक्षा के अधिकाधिक प्रसार के साथ वास्तविक आधुनिकता स्वतः स्थापित हो जाएगी।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

जाति व्यवस्था

जाति व्यवस्था का अर्थ →

परंपरागत भारतीय समाज में विद्यमान श्रम विभाजन, असमानता एवं सोपान की एक व्यवस्था को जाति व्यवस्था कहा जाता है।

जाति व्यवस्था के लक्षण →

- भारतीय समाज का खण्डात्मक विभाजन,
- जन्मजात व्यवस्था,
- अंतर्विवाह के नियम,
- निश्चित एवं प्रतिबंधित पेशा,
- खान-पान एवं सामाजिक संपर्क से जुड़े नियम,
- विशेषाधिकार एवं निर्योग्यताओं की व्यवस्था,
- सोपानिकता

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- पवित्रता एवं अपवित्रता की विचारधारा पर आधारित।

जाति व्यवस्था में आधुनिक परिवर्तन →

- भारतीय समाज का खण्डात्मक विभाजन के लक्षण में परिवर्तन
- जन्मजात सदस्यता के लक्षण में परिवर्तन
- अंतरजात विवाह के नियम में परिवर्तन
- निश्चित एवं प्रतिबंधित पेसा में परिवर्तन
- खान-पान एवं सामाजिक संबंधों से जुड़े नियम में परिवर्तन
- विशेषाधिकार एवं निर्योग्यताओं में परिवर्तन
- पवित्रता और अपवित्रता की विचारधारा में परिवर्तन।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR